डीएक्सएन कोड नोएडा एयरपोर्ट की पहचान

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा,विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) ने बुधवार को अपने इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) कोड का अनावरण कर दिया। डीएक्सएन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का आधिकारिक आईएटीए लोकेशन आइडेंटिफायर या तीन-अक्षर का कोड होगा।

कोड असाइन होने से, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपने ग्राहकों के और करीब आ गया है जो विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर एयरपोर्ट की पहचान करने में सक्षम होंगे। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने के बाद सक्रिय होने वाला कोड यात्रियों और एविएशन प्रोफेशनल्स को किसी भी भ्रम और गलतियों से बचने के लिए तेजी से और सटीक रूप से डेस्टिनेशंस की पहचान करने और संवाद करने में मदद करेगा।

नोएडा एयरपोर्ट स्विस टेक्नोलॉजी और गुणवत्ता के साथ भारतीय कल्चर और हॉस्पिटैलिटी के संगम के रूप में यूजर फ्रेंडली डिजाइन के जरिए न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के लिए प्रतिबद्ध है।

कोई और प्रयोग नहीं कर सकता ये कोड

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े शहरी समूहों में से एक भारत का नेशनल कैपिटल रीजन एक दूसरे हवाई अड्डे का हकदार है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस लंबे समय से चले आ रहे सपने को वास्तविकता बना देगा और हम अपने तीन-अक्षर आईएटीए कोड को पाने के लिए उत्साहित हैं। कोड को कोई और यूज नहीं कर सकता है।

क्यों खास है कोड

- आईएटीए कोड हर एयरपोर्ट के लिए यूनीक हैं और देशों व शहरों के बीच अस्पष्टता में आईडेंटिफायर के रूप में काम करते हैं।
- ये कोड न केवल पैसेंजर्स के ट्रैवल डॉक्युमेंट्स पर दर्ज होते हैं, बल्कि डेली बेसिस पर विभिन्न अन्य कम्युनिकेशंस में अहम एलीमेंट के रूप में भी काम करते हैं।
- आईएटीए कोड प्रत्येक स्तर पर एक एयरपोर्ट की पहचान को बरकरार रखने में मदद करते हैं।